भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 874

जिसका उत्तर 23.07.2026 को दिया जाना है

नासिक-पुणे राजमार्ग की जर्जर हालत

874. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नासिक जिले को जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे, पुणे-नासिक राजमार्ग, विशेष रूप से चाकन और खेड़ औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले खंड पर भीषण यातायात जाम, दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या और सड़क की जर्जर स्थिति से निपटने के लिए क्या विशिष्ट कार्रवाइयां की गई हैं;

(ख) इस राजमार्ग खंड के लिए नियोजित समर्पित बाईपास, फ्लाईओवर या उन्नत गलियारों जैसी किसी प्रस्तावित अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त परियोजनाओं के शुरू होने और पूरा होने की समय-सीमा क्या है; और

(घ) क्या सरकार आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र में नासिक जिले से जुड़े औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों और राजमार्गों के विकास तथा उन्नयन के लिए किसी विशेष वित्तीय पैकेज पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। एनएच-60 के चार लेन वाले पुणे-नासिक खंड पर वर्तमान यातायात की भीड़-भाड़ को दूर करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक रखरखाव कार्यक्रम (एएमपी) के तहत विभिन्न जंक्शन सुधार कार्य शुरू किए हैं। ये कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं और इनसे महत्वपूर्ण जंक्शनों पर, विशेष रूप से चाकन और खेड़ औद्योगिक क्षेत्रों में यातायात की भीड़-भाड़ को काफी कम करने की उम्मीद है ।

चाकन और खेड़ औद्योगिक क्षेत्रों से गुजरने वाले एनएच-60 के पुणे-नासिक खंड में यातायात की भीड़-भाड़ को व्यवस्थित करने और सुचारू संपर्कता सुनिश्चित करने के लिए एक दीर्घकालिक समाधान के रूप में, सरकार ने 7801 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक आठ लेन वाले उत्थापित (एलिवेटेड) कॉरिडोर के निर्माण के लिए परियोजना को मंजूरी दी है। सिविल निर्माण कार्य वित्त वर्ष 2030-31 में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

*****